अक्टूबर 2026

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

विजय पथ PDA रथ



R.N.I. No. 68832/97

www.samajwadiparty.in

नेताजी अमर रहें



22 नवंबर 1939 - 10 अक्टूबर 2022

चतुर्थ पुण्यतिथि पर

श्रद्धांजलि

समाजवादी बुलेटिन

अक्टूबर 2026
वर्ष 27 | संख्या 12

PDA काव्य विचार

निकल पड़ा है PDA रथ,
धूल उड़ाता हर गांव गली,
अधिकार-सम्मान की लौ जली
अखिलेश ने थामी मशाल है
अब रुकना है न थकना है।
पीडीए सरकार का ही सपना है॥

सरिता गंगवार
बरेली

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत है। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 4 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित
R.N.I. No. 68832/97

अंदर

नेताजी की हर स्मृति पीडीए के लिए प्रेरणा  04

10 कवर स्टोरी

विजय पथ
PDA रथ



मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ
INDIA का हल्लाबोल 22



मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में इण्डिया (INDIA) ब्लॉक के नेताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। संसद के मकर द्वार से निर्वाचन आयोग मुख्यालय की ओर निकाले गए मार्च को पुलिस ने बीच रास्ते में रोक दिया। इसके बाद इंडिया गठबंधन के प्रमुख नेता एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव समेत सपा के सभी सांसदों और विपक्ष के नेताओं को हिरासत में ले लिया।

अयोध्या में अखिलेश, अपनत्व का संदेश 08

भाजपा को हराने के लिए सपा में आने वालों का स्वागत-अखिलेश 30



नेताजी की हर स्मृति पीडीए के लिए प्रेरणा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापक, पूर्व रक्षा मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि 10 अक्टूबर को पूरे प्रदेश और देश के विभिन्न प्रदेशों में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। श्रद्धांजलि का मुख्य कार्यक्रम सैफई इटावा में हुआ।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव, राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव, सांसद श्रीमती डिंपल यादव, नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद



जासमीर अंसारी, सांसद रामजी लाल सुमन, सांसद धर्मेन्द्र यादव, सांसद देवेश शाक्य, सांसद आदित्य यादव, विधायक तेज प्रताप यादव, श्री राम आसरे कुशवाहा, विधायक आशु मलिक, जिला पंचायत अध्यक्ष इटावा अंशुल यादव, श्री नवल किशोर शाक्य, श्री अनुराग यादव, श्री तोताराम, मोहम्मद फहद, इटावा के जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू समेत हजारों की संख्या में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नेताजी की समाधिस्थल पर पहुंच कर श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर नेताजी को कोटि-कोटि नमन करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सिद्धांतों के लिए समर्पित नेताजी का जीवन हम सबकी सबसे बहुमूल्य धरोहर है। नेताजी का ये मानना हमारे लिए सबसे बड़ी सीख है कि 'मदद' ही मानवता की पहली सीढ़ी है। नेताजी ने सिखाया कि जो सबसे कमजोर हो उसकी ओर हाथ बढ़ाओ, उसे अपना हमकदम बनाओ।

नेताजी ने समझाया कि केवल भेदभाव को ही नहीं मिटाना है, भेद के भाव को भी मिटाना है। कागज पर लिखी समानता से कुछ नहीं होगा, जब तक मनमुटाव नहीं मिटेगा तब तक सच्चा बदलाव नहीं आएगा। जब तक लोग 'पीड़ित, दुखी, अपमानित' हैं तब तक हम सबको संघर्ष जारी रखना है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज हर पीड़ित को एकसूत्र करने के लिए हम 'पीडीए' के रूप में जिस 'प्रेम, दया, अपनापन' को बुनियाद मान रहे हैं, नेताजी सदैव उसके जीवंत उदाहरण रहे। नेताजी 'पीडीए के प्रकाशस्तंभ' बनकर हमेशा राह दिखाते रहेंगे। नेताजी की हर स्मृति एक प्रेरणा है।

श्री यादव ने कहा कि आज हम सभी लोग संकल्प लेते हैं कि नेताजी जिस समाजवादी विचारधारा को लेकर चले उसे कई सौ वर्षों तक आगे बढ़ाएंगे। कमजोर, पीड़ित, और बेसहारा लोगों को साथ जोड़कर उनका मनोबल बढ़ाएंगे। भेदभाव को खत्म करेंगे। हम लोगों को ऐसा रास्ता अपनाना है। जिससे भेद का भाव भी खत्म हो। नेताजी द्वारा शुरू किए गये विकास कार्यों की कड़ी को आगे बढ़ाना है।

नेताजी मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर देश भर में श्रद्धांजलि सभाएं हुईं। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं, नेताओं ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उत्तर











प्रदेश के कई जिलों में मरीजों में फल वितरित किया गया।

राज्य मुख्यालय, लखनऊ में नेताजी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। नेता विरोधी दल राज्य विधान सभा माता प्रसाद पाण्डेय, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, सांसद अक्षय यादव ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।

राज पुरोहित पं हरि प्रसाद मिश्रा ने वैदिक मंत्रों के साथ शांतिपाठ किया। पूर्व सांसद श्री अरविन्द कुमार सिंह, शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो बी. पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ डॉ. राजपाल कश्यप, ने भी नेताजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

इस अवसर पर सर्वश्री चन्द्रशेखर यादव पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष लोहिया वाहिनी, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, प्रवक्ता फखरूल हसन चांद, कुलदीप यादव राष्ट्रीय महासचिव शिक्षक सभा, मणीन्द्र मिश्र राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजवादी शिक्षक सभा आदि ने भी श्रद्धेय नेताजी को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।



अयोध्या में अखिलेश
अपनत्व का संदेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 8 अक्टूबर को अयोध्या में समाजवादी पार्टी के नेता, पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय के पैतृक घर कृष्णापुर, खानपुर रसूलाबाद पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में शामिल होते हुए अपनत्व का संदेश दिया। दया, प्रेम व अपनापन को आत्मसात करने के उनके संदेश से श्रीमदभागवत् कथा श्रवण करने जुटे श्रद्धालु मुग्ध हो गए। संतों, महंतों ने श्री अखिलेश यादव को माला पहनाकर और गदा भेंटकर विजयी भव का आशीर्वाद दिया।

श्रीमद्भागवत कथा में पहुंचकर श्री अखिलेश यादव ने व्यास पीठ का पूजन किया और भागवत कथा श्रवण करने जुटे सभी श्रद्धालुओं को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दीं।

उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रभु श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या की पावन धरती पर आज सभी हरिभक्त मिलकर जय राधेश्याम बोल रहे हैं, यही हमारे समाज, देश और संस्कृति की खूबसूरती है।

श्री यादव ने कहा कि आज समाज बंधन और व्यथाओं से भरा है। कहीं अहंकार का बंधन है, सत्ता का बंधन है, कहीं जाति का बंधन है तो कहीं भेदभाव का बंधन। जो माहौल बना है, उसमें देखा जा रहा है कि वैमनस्य, छुआछूत, ऊंच-नीच, शुद्ध-अशुद्ध के अलावा अनेक सामाजिक बंधन भी हैं। ऐसे समय में भागवत कथा की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे लिए प्रभु श्रीकृष्ण ही प्रभु श्रीराम हैं और प्रभु श्रीराम ही प्रभु श्रीकृष्ण हैं। भागवत कथा कोई कहानी नहीं है। भागवत कथा मनोवर्धन करती है।

भागवत कथा हमें श्रीकृष्ण जैसा बनने के लिए प्रेम, दया, अपनापन से भरा मन बड़ा करती है। जब प्रेम, दया, अपनापन की बात करेंगे तो हमारा समाज और एकजुट होगा। भागवत कथा सिखाती है कि प्रेम सबसे बड़ा परमार्थ है। श्रीकृष्ण जी ने सिखाया है कि प्रेम में कोई छोटा बड़ा नहीं होता है। जहां प्रेम सर्वोपरि है वहीं लोकतंत्र है।

भागवत कथा सिखाती है कि कहीं भेदभाव





न हो। प्रेम से बड़ा कोई राजधर्म नहीं है। जो प्रेम, दया, अपनापन नहीं रखता है उसका अंत कंस जैसा होता है, इसलिए आज तय करना है कि नफरत बढ़ाने वाला शासन चाहिए या श्रीकृष्ण के प्रेम वाला वरदत्व चाहिए। श्रीकृष्ण जी का पूरा जीवन प्रेम पर टिका है। भागवत कथा का सबसे बड़ा सबक है कि भेदभाव मिटाएं और समानता लाने का काम करते रहें।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जी ने सिखाया है कि सत्ता आती जाती रहती है लेकिन प्रेम टूट गया तो समाज टूट जाएगा। आज के समय में प्रेम और समानता के महाकाव्य को संविधान कहते हैं इसलिए संविधान की रक्षा करनी है।

उन्होंने कहा कि भागवत कथा का कृष्ण राज्य असल में प्रेम, दया, अपनापन और बंधुत्व का राज्य रहा। जहां आखिरी पंक्ति पर खड़ा व्यक्ति भी प्रेम, दया, अपनापन के पैमाने पर समान रहा। भागवत कथा सदियों से चलती चली आ रही है और सदियों तक चलेगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में अयोध्या का विकास करके अंतर्राष्ट्रीय का शहर बनाया जाएगा।

भागवत कथा में महंत जनमेजय शरण जी, महंत श्री रामलखन दास जी, महंत श्री दिलीप दास जी, महंत श्री मंजू दास जी, पंड़ित राजेश पाण्डेय जी, महंत सूर्यभान दास, महंत आनन्द दास, महंत रामदास जी महाराज, पंड़ित राकेश त्रिपाठी, महंत अवधेश दास, महंत श्री रामदास बालयोगी, महंत मणिराम दास समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।



विजय पथ PDA रथ

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव PDA रथ यात्रा लेकर विजय पथ पर निकल पड़े हैं। यह कोई साधारण राजनीतिक यात्रा नहीं है। यह उत्तर प्रदेश के करोड़ों वंचितों, शोषितों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों, किसानों, नौजवानों और महिलाओं की उम्मीदों की यात्रा है।

24 सितंबर को यात्रा की शुरुआत पर ही जिस तरह PDA रथ यात्रा को व्यापक जन-समर्थन मिला है, वह केवल चुनावी अभियान का आगाज नहीं है, बल्कि जीत के परिणाम का स्पष्ट जनादेश है। यह यात्रा विधानसभा चुनाव के अभियान को नई दिशा देने की पहल ही नहीं बल्कि अधिकारों और सत्ता में बराबर की भागीदारी का दृढ़ संकल्प भी है।

श्री अखिलेश यादव ने बिल्कुल स्पष्ट संदेश दिया है कि PDA रथ केवल एक चुनावी यात्रा तक सीमित


अखिलेश



नहीं है, बल्कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज को एक साझा राजनीतिक मंच मुहैया कराने का ऐतिहासिक अभियान है।

24 सितंबर को जब श्री अखिलेश यादव PDA रथ पर सवार हुए तो रायबरेली तक के यात्रा पथ में सड़क के दोनों किनारों पर हजारों की संख्या में लोगों का समूह स्वागत में उमड़ पड़ा था। कहीं फूलों की वर्षा हो रही थी, कहीं ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत हो रहा था तो कहीं महिलाएं आरती उतार कर अपने नेता का अभिनंदन कर रही थीं। नौजवान बाइक रैली के रूप में रथ के साथ चल रहे थे। बुजुर्ग हाथ उठाकर आशीर्वाद दे रहे थे।

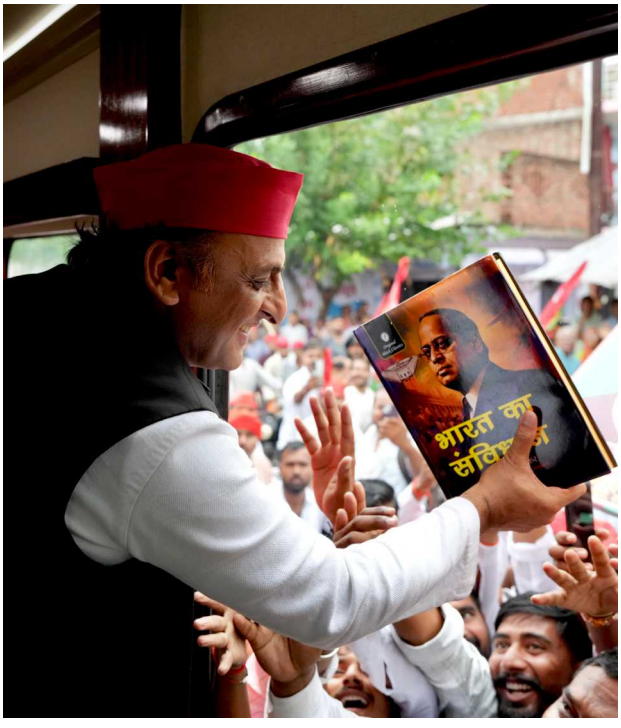
दरअसल जो शोषित है, वंचित है, उत्पीड़ित है, वह PDA है। यानी PDA, 90 प्रतिशत आबादी का परिवार है। समाजवादी विरासत का विस्तार है PDA। समाजवादी आंदोलन की इसी विरासत को श्री अखिलेश यादव आज PDA के व्यापक राजनीतिक विचार के रूप में मजबूती के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। PDA में लोहिया, अंबेडकर, कांशीराम और नेताजी के विचारों का संगम है। PDA- केवल समीकरण नहीं, सम्मान और अधिकार का आंदोलन बन गया है।

आज उत्तर प्रदेश में PDA समाज की सबसे बड़ी चिंता रोजगार है, महंगाई है और आरक्षण में हो रहा घोटाला है। दलित समाज की चिंता है कि उसे सम्मान नहीं मिल रहा, आए दिन अपमान और अत्याचार की घटनाएं हो रही हैं, आरक्षण को खत्म करने की साजिश हो रही है।

अल्पसंख्यक समाज की चिंता है कि उसे डर दिखाया जा रहा है, उसके कारोबार को निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे में इन सभी चिंताओं का समाधान PDA में है। श्री अखिलेश यादव का नजरिया बिल्कुल स्पष्ट है कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब समाज के सभी वर्गों को समान अवसर और निर्णय प्रक्रिया में उचित स्थान मिलेगा।

रथ यात्रा के दौरान आया जन सैलाब सिर्फ नारों से नहीं उमड़ा बल्कि इसके पीछे काम का भरोसा है। उत्तर प्रदेश की अवाम जानती है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली 2012 से 2017 की सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में विकास का स्वर्णिम युग आया था। आज जनता तुलना कर रही है। एक तरफ














ESCORTS HYDRA 14
AK





वह सरकार थी जो काम करती थी, दूसरी तरफ यह सरकार है जो केवल नाम बदलती है, फीता काटती है और प्रचार करती है। जनता ने मन बना लिया है कि काम करने वाली सरकार ही वापस लानी है।

श्री अखिलेश यादव ने PDA को एकजुट करने में कामयाबी हासिल कर ली है और PDA समाज अपने अधिकारों, हिस्सेदारी को लेकर पूरी तरह जागरूक हो चुका है। वह एक मंच पर आ चुका है और उसने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए समाजवादी पार्टी को 37 सीटों पर ऐतिहासिक विजय दिलाई थी।

वह जीत सामाजिक न्याय की अवधारणा की जीत थी। 2024 में PDA ने लोकसभा में अपना परचम लहराया, अब 2027 में वह विधानसभा में अपनी सरकार बनाएगा क्योंकि जनता समझ चुकी है कि दिल्ली में भाजपा को रोकना है तो लखनऊ में समाजवादी सरकार बनानी होगी।

प्रदेश की राजनीति में 2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रतिस्पर्धा नहीं होगा, बल्कि यह दो विचारधाराओं की लड़ाई होगी। एक तरफ भाजपा का विचार होगा जो नफरत, बांटने और झूठे प्रचार पर टिका है, दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी का PDA विचार होगा जो जोड़ने, सम्मान देने और विकास करने पर टिका है।

अखिलेश जी की रथ यात्रा की शुरुआत पर ही मिले अपार समर्थन का संदेश स्पष्ट है। यह कि सामाजिक न्याय और सबकी भागीदारी के बिना प्रदेश के समावेशी विकास की कल्पना अधूरी है। अब प्रदेश के हर जिले से एक ही आवाज आ रही है- रथ आ रहा है, राज बदल रहा है।

भाजपा का सफाया करेगा पीडीए का तूफान -अखिलेश



बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की 24 सितंबर को समाजवादी PDA रथ से रायबरेली की यात्रा ने 2027 में होने वाले चुनाव में जीत की इबारत लिख दी। जोश, उत्साह, उम्मीदें और स्पष्ट जनादेश देती जनता राजकीय इंटर कालेज के मैदान में जिस तरह उमड़ी, उसने समाजवादी पार्टी का उत्साह बढ़ा दिया।

विशाल जनसभा में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे प्रदेश में पीडीए का तूफान चल रहा है। रायबरेली में पीडीए बनाम भाजपा तो है ही ऐसा लगता है लोधी बनाम योगी हो गया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सकारात्मक राजनीतिक कर रही है और भाजपा नकारात्मक राजनीति। जब भाजपा कमजोर पड़ती है तो प्रशासन की आड़ में नकारात्मक राजनीति करती है।

भाजपा प्रशासन को आगे कर देती है। आज जो जनसमर्थन समाजवादी पार्टी को मिला है उसे प्रशासन के साथ ही पूरा उत्तर प्रदेश देख रहा है। इस पीडीए की हवा और आन्दोलन से बुलडोजर चलाने वाले नहीं बचेंगे। इस बार जनता के वोट का बुलडोजर भाजपा को हमेशा के लिए हरा देगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रभुत्ववादी लोग अपने आप को ताकतवर समझ रहे हैं। वे समझ लें कि पीडीए सामाजिक आन्दोलन है। इस धरती पर सामाजिक आन्दोलन हमेशा सफल रहे हैं। पीडीए के अन्दोलन में सभी पीड़ित, दुःखी, अपमानित लोग एक होते जा रहे हैं। पीड़ित दुःखी और अपमानित लोग इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा का सफाया करके मिटाने का काम करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लाखों लाख

लोगों ने समाजवादी पार्टी का समर्थन किया है। इतनी बड़ी संख्या में लोग अपने आप पहुंचे। लोगों ने बारिश और मौसम की परवाह किए बिना पहुंचकर इस रथ यात्रा और जनसभा को ऐतिहासिक बनाया।

श्री अखिलेश यादव ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय का आभार प्रकट करते हुए जिलाध्यक्ष इं वीरेन्द्र यादव, विधायक राहुल लोधी, श्याम सुन्दर भारती, समेत पार्टी के सभी नेताओं, कार्यकर्ताओ और जनप्रतिनिधियों को बधाई दी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम अपने लोगों के बीच में जितना प्रेम, दया, अपनापन दिखाएंगे उतना ही पीडीए ताकतवर होता जाएगा। जब हम लोगों को जनसमर्थन मिलता है तो अनरजिस्टर्ड, अंडरग्राउंड और सुरंग जीवी लोग अपने आप मैदान छोड़ देते हैं। उन्होंने कहा कि रथ हमारे देश की संस्कृति में है। रथ महाभारत और कुरूक्षेत्र का प्रतीक है।

इसी तरह से रथ पर कभी भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। उसी तरह से रथ से हमें सीख मिल रही है जो पीड़ित, दुःखी और अपमानित है वह पीडीए है। इस बार लाइन साफ है। लाइन एकदम खिंच गई है। एक तरफ लोग हैं तो दूसरे तरफ प्रताड़ना देने वाले लोग हैं। इस बार चुनाव में प्रताड़ना देने वाले लोग नहीं बचने पाएंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अभी 2024 के लोकसभा चुनाव में हम लोगों ने भाजपा को हराया है। 2027 के चुनाव में भाजपा का परमामेंट सफाया करेंगे। इनको हराएंगे और समाज में भेदभाव खत्म करेंगे। पीडीए संविधान, आरक्षण, लोकतंत्र, हिन्दुस्तानियत और भारतीय संस्कृति को बचाने के लिए खड़ा है। भाजपा के लोगों ने विधायक श्री राहुल लोधी को अपमानित किया। हमें खुशी है कि समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष से लेकर पूरी पार्टी ने भाजपाइयों का मुकाबला किया। हम लोग अपने लोगों का अपमान नहीं होने देंगे।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा ने बुलडोजर चलाकर काशी में घाट तोड़ दिया। काशी की संस्कृति को तहस-नहस किया। पूज्य राज्य माता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को तोड़ दिया। उनके किए गए कार्यों को मिटाने का प्रयास किया। भाजपा ने नफरत फैलाने के लिए सहारनपुर में मस्जिद तुड़वा दी।

भाजपा साम्प्रदायिक राजनीति करना चाहती है। भाईचारा को खत्म करना चाहती है। समाजवादी पार्टी भाईचारा , प्रेम बढ़ाना चाहती है। हम सभी लोगों को एकजुट करके बंधुराष्ट्र बनाना चाहते हैं।

श्री यादव ने कहा कि अयोध्या में भगवान प्रभु श्रीराम के मंदिर में चढ़ावा और चंदा चोरी हो गया। चढ़ावा और चंदा चोरी में भाजपा के लोग शामिल थे। चढ़ावा चोरी करने वाले सीसीटीवी में पकड़े गए। इन्होंने देश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के साथ



खिलवाड़ किया। जनता भाजपा को कभी माफ नहीं करेगी। चुनाव में इनका हिसाब करेगी। उन्होंने कहा कि अब तो चुनाव आयोग भी वोट चोरी में पकड़ा गया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। अपराधी बेखौफ हैं। हर दिन कई-कई हत्याएं हो रही हैं। बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। गाजीपुर में विश्वकर्मा बेटी के साथ अन्याय हुआ। पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला। विश्वकर्मा बेटी को न्याय दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी के लोग खड़े हुए तो सत्ता के सरंक्षण में दबंगों ने हमला किया।

समय आने पर समाजवादी पार्टी प्रदेश भर में विश्वकर्मा समाज, पासी समाज, लोधी समाज सहित सभी पीड़ित वर्गों के लोगों को न्याय दिलाएगी। हम हाथरस की बेटी के साथ हुए अन्याय को कभी नहीं भूलेंगे।

श्री यादव ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग अपने सजातीय अपराधियों पर बुलडोजर नहीं चलाते है, चाहे वे तालाब, जमीन और घरों पर कब्जा कर लें। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है। भाजपा ने शिक्षा स्वास्थ्य सब बर्बाद कर दिया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जो समाजवादी पार्टी से भागेगा। वह इस बार चुनाव जरूर हारेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव के हर विधानसभा क्षेत्र में 27 हजार वोट बढ़ाना और पीडीए की सरकार बनाना। रायबरेली की हर सीट पर भाजपा को हराना है।

इससे पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का पीडीए रथ यात्रा का ऐतिहासिक स्वागत हुआ। अपार जनसमूह ने जगह-जगह श्री अखिलेश यादव का अभिनंदन किया। श्री अखिलेश यादव के देखने और सुनने के लिए जनता सड़क पर उमड़ पड़ी।

श्री यादव ने सभी लोगों का अभिवादन किया और समर्थन के लिए आभार प्रकट किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव लखनऊ-रायबरेली सीमा चुरूवा पर जैसे ही समाजवादी पीडीए रथ पर सवार हुए उत्साहित भीड़ ने अखिलेश यादव जिन्दाबाद, समाजवादी पार्टी जिन्दाबाद के गगनचुंबी नारों से जोरदार स्वागत किया। स्वागत में समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ आम जनता नौजवान, महिलाएं छात्रों ने श्री अखिलेश यादव शामिल थे। रथ में पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी भी रहे। इस यात्रा में उमड़े जन समुदाय ने उत्तर प्रदेश में परिवर्तन का संदेश दे दिया है।



रथ यात्रा के पथ में अखिलेश का जोरदार स्वागत



बुलेटिन ब्यूरो

रायबरेली में समाजवादी छात्र सभा के सदस्यता अभियान के दौरान छात्र सभा के छात्रों से की गई मारपीट और पुलिस द्वारा विधायक राहुल लोधी एवं विधायक श्याम सुन्दर 'भारती' के साथ दुर्व्यवहार के खिलाफ समाजवादी पार्टी के मुखिया श्री अखिलेश यादव 24 सितंबर को पीडीए रथ पर सवार होकर रायबरेली पहुंचे। आक्रोशित समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के अपने विधायक को सम्मानित-प्रोत्साहित करने के लिए रायबरेली जाकर विधायक श्री राहुल लोधी के घर चाय पीने जाने के ऐलान मात्र से ही प्रदेश की राजनीति में हलचल मच गई।

श्री अखिलेश यादव लखनऊ अपने आवास से सीधे बछरांवा रायबरेली सीमा पर पहुंचे। वहां चुरूआ में श्री हनुमान मंदिर से पीडीए रथ पर सवार हुए। सड़कों के दोनों तरफ जनता ने खड़े होकर अभिवादन किया।

श्री अखिलेश यादव जब रथ पर सवार होकर निकले तो हजारों की संख्या में जनता ने उनका अभूतपूर्व स्वागत किया। समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी नेता और कार्यकर्ताओं की हुंकार से रायबरेली की गूंज लखनऊ और दिल्ली तक पहुंच गयी है।

श्री अखिलेश यादव के रायबरेली दौरे के दौरान बादलों ने भी बरसात करके समाजवादी पीडीए रथ यात्रा का स्वागत किया। खराब मौसम में भी लोगों में भारी जोश नजर आया। रायबरेली तक समाजवादी पीडीए रथ यात्रा का संदेश सत्ता परिवर्तन के शंखनाद में बदल गया। श्री

अखिलेश यादव जब अपने आवास से रायबरेली के लिए निकले तो वे भी यह देखकर चकित रह गए कि उनसे पहले ही बड़ी संख्या में नौजवान अपने वाहनों से पीछे चलने को तैयार हैं।

श्री अखिलेश यादव की समाजवादी पीडीए रथ यात्रा के पीछे चलने वाले बेशुमार वाहनों के अलावा पैदल दौड़ रहे छात्र-नौजवानों के जोश को देखते ही अंदाजा लगाया जा सकता हैं कि सरकार के विरोध में हवा नहीं आंधी चल रही है। इन नौजवान छात्रों की रेस से लग रहा था कि जैसे ये सत्ता की मैराथन रेस है। इसमें भाग ले रहे सभी नौजवान छात्र इस रेस को जीतने के लिए 10 साल से तैयारी कर रहे। रेस कर रहे नौजवान नारा लगा रहे थे 'अखिलेश यादव हमारे नेता हैं, ये जो वादा करते हैं वह चुन-चुन कर पूरा करते हैं।'

लखनऊ-रायबरेली सीमा से पूर्व मोहनलालगंज कस्बा तथा निगोहा टोलप्लाजा पर भी उनका भव्य स्वागत किया गया। चुरुआ में समाजवादी पीडीए रथ पर जब अखिलेश जी सवार होकर चले तो रथ में उनके साथ राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी और श्याम सुन्दर भारती विधायक बछरांवा, जिलाध्यक्ष इं वीरेन्द्र यादव रहे।

रायबरेली मुख्यालय तक 50 किलोमीटर की यात्रा में लोगों की भीड़ में जनता का उत्साह देखने लायक था। इसमें नौजवान-छात्र अपने भविष्य का सपना लिए श्री अखिलेश यादव जी पर भरोसा रखकर नारे लगाते हुए अपने नेता की हौसला आफजाई करते रहे। दौड़ रहे नौजवान-छात्र श्री अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाते हुए स्वागत और अभिनंदन कर रहे थे।

महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग घंटों अपने चहेते नेता को देखने के लिए इंतजार करते रहे। रास्ते भर में स्थानीय लोग, बड़ी संख्या में महिलाएं श्री अखिलेश यादव के स्वागत-अभिनंदन के लिए उत्साहित दिखीं। नौजवानों और किसानों में तो गजब का उत्साह देखने को मिला।

श्री अखिलेश यादव जी हाथ हिलाकर उनका आभार व्यक्त कर रहे थे। डॉ. अखिलेश पासी द्वारा जेसीबी से श्री अखिलेश यादव जी का स्वागत माला पहनाकर किया गया।

लक्ष्मण निषाद ने अखिलेश जी को अंधोरा में सिंघाड़े की टोकरी भेंट की। रास्ते में जय भीम की पताका लिए निवासी ग्रामीण एकत्र थे। अंबेडकर पार्क में अखिलेश यादव, जितेन्द्र यादव स्वागत में खड़े थे। कन्नावा











गांव में उनके स्वागत में लोग घंटो खड़े रहे। प्यारेपुर नगर पंचायत में भी उनका स्वागत हुआ। बछरांवा टॉल पर, बछरावां चौराहा से आगे सेवा अस्पताल के पास श्री अखिलेश पासी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का पुरजोर स्वागत किया।

चुरुआ से रायबरेली मुख्यालय तक पहुंचने में श्री अखिलेश यादव को साढ़े पांच घंटे लगे। यहां जनसभा में बरसात के बावजूद हजारों का जनसैलाब था। चारों तरफ भीड़ ही भीड़ दिखाई दे रही थी। इससे पूर्व कठवारा में उनका स्वागत हुआ।

रथ यात्रा और फिर जनसभा के पश्चात श्री अखिलेश यादव ने सदस्यता अभियान के दौरान भाजपाइयों व पुलिस से पीड़ित छात्र सभा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, छात्रों से मुलाकात की। उनकी पीड़ा सुनी और सत्ता के नशे में चूर भाजपाइयों का मुकाबला करने पर उनकी पीठ थपथपाई। उन्होंने घटना में पीड़ित हरचन्द्रपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राहुल लोधी के आवास पर चाय पी। वह रायबरेली के जिलाध्यक्ष इं बीरेन्द्र यादव के जेल रोड आवास पर भी गए। राम सिंह पटेल तथा सुरेश यादव के परिवार से भी भेंट की।

इस यात्रा ने जनता का यह विश्वास पुख्ता कर दिया कि अब समाजवादी पार्टी का सत्ता में आना और भाजपा का सत्ता से जाना पूरी तरह तय हो चुका है। प्रदेश में परिवर्तन की आंधी चल रही है। जनता भाजपा की जनविरोधी नीतियों का करारा जवाब देने के लिए अपने वोट के हथियार को लेकर तैयार है। जैसे ही चुनाव की तारीख घोषित होगी भाजपा हार जाएगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ INDIA का हल्लाबोल



बुलेटिन ब्यूरो

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 6 अक्टूबर को दिल्ली में इण्डिया (INDIA) ब्लॉक के नेताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। संसद के मकर द्वार से निर्वाचन आयोग मुख्यालय की ओर निकाले गए मार्च को पुलिस ने बीच रास्ते में रोक दिया। इसके बाद इंडिया गठबंधन के प्रमुख नेता एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव समेत सपा के सभी सांसदों और विपक्ष के नेताओं को हिरासत में ले लिया।







विपक्षी दलों का प्रदर्शन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और चुनाव प्रक्रिया में धांधली के खिलाफ था। पूरा विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की लगातार मांग कर रहा है।

6 अक्टूबर को मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद विपक्षी सांसद सड़क पर बैठ गए और धरना दिया। इस दौरान मीडिया के सवालों पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जो देश की खातिर लड़ते हैं वो गिरफ्तारी से नहीं डरते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ही मुख्य चुनाव आयुक्त यानी सीईसी है। देश का एकमत है मुख्य चुनाव आयुक्त त्यागपत्र दें।

श्री यादव ने कहा कि वन-नेशन, वन-इलेक्शन की थोथी बात करने वालों का असली मंसूबा और 'चंडीगढ़ी चाल' ये है कि एक बार में ही चुनाव कराकर सब निपटा दो, बार-बार घपला करने की जरूरत ही न पड़े। घपला-घोटाला जितनी कम बार होगा, पकड़े जाने की आशंका भी उतनी ही कम होगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि दरअसल वन नेशन वन इलेक्शन की जगह, इन भाजपाइयों को कहना चाहिए वन करप्शन, वन इलेक्शन। मतलब अब केवल एक और बार ही चुनाव करवाने की साजिश है, फिर कभी चुनाव होगा ही नहीं।

भाजपा सरकार में संस्थाएं निष्पक्ष नहीं -अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो



समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि चुनाव आयोग कठपुतली की तरह काम कर रहा है। चुनावों में बेईमानी हो रही है। चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर जिस तरह के सवाल उठ रहे हैं, वह लोकतंत्र के लिए घातक है। यह बहुत गंभीर विषय है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पर जिस तरह के सवाल उठ रहे हैं उससे लगता है कि इनके कार्यकाल में जितने चुनाव हुए हैं वे निष्पक्ष नहीं हैं। सत्ता में बने रहने के लिए संविधान की धज्जियां उड़ायी गई हैं। भविष्य के चुनाव भी इनके नेतृत्व में नहीं होने चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बेहद खतरनाक खबर है कि चुनाव आयोग के दो चुनाव आयुक्तों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त गलत फैसलों के खिलाफ दस महीनों में 14 बार नोट लिखकर अपनी शिकायत और आपत्ति दर्ज कराई।

यह बेहद गंभीर है कि मुख्य चुनाव आयोग के फैसलों के खिलाफ अन्य चुनाव आयुक्तों

ने गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। इसका मतलब है कि सभी चुनाव आयुक्त अपना सही काम निष्पक्ष तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। एक स्वतंत्र निकाय के सदस्यों को अगर अपना काम न्यायपूर्ण तरीके से करने की स्वतंत्रता नहीं है या उनकी कोई सुनवाई नहीं है तो यह बेहद घातक है। भाजपा सरकार में संस्थाएं निष्पक्ष नहीं रह गई हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त किसके इशारे पर इस तरह का काम कर रहे हैं?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम लोग उम्मीद करते हैं कि चुनाव आयोग निष्पक्ष संस्था है, ये लोकतंत्र को मजबूत करेगा लेकिन आयोग तो लोकतंत्र को ही खत्म कर रहा है। चुनाव आयोग पूरी तरह से एक्सपोज हो गया है उसके साथ ही भाजपा सरकार भी एक्सपोज हो गई है। लोकतंत्र में कठपुतली बनकर धोखा देना घोर संवैधानिक अपराध है।

यह लोकतंत्र खत्म करने का षड्यंत्र है। आने वाले समय में जनता अपने वोट से भाजपा सरकार को हमेशा के लिए हटा देगी। जनता भाजपा सरकार और चुनाव आयोग को जवाब देने जा रही है।

श्री यादव ने कहा कि 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग के अधिकारियों ने जानबूझ कर सपा समर्थक मतदाताओं को चिन्हित कर वोटर लिस्ट से हटा दिया है।

इसके बाद जब चुनाव आयोग से सपा को नोटिस दिया तो हम लोगों ने चुनाव आयोग को बड़ी संख्या में वोटरों के शपथपत्र दिए, जानकारी दी लेकिन एक भी अधिकारी पर कार्रवाई नहीं हुई। उसके बाद जब यूपी में उपचुनाव हुए तो हर जगह धांधली और



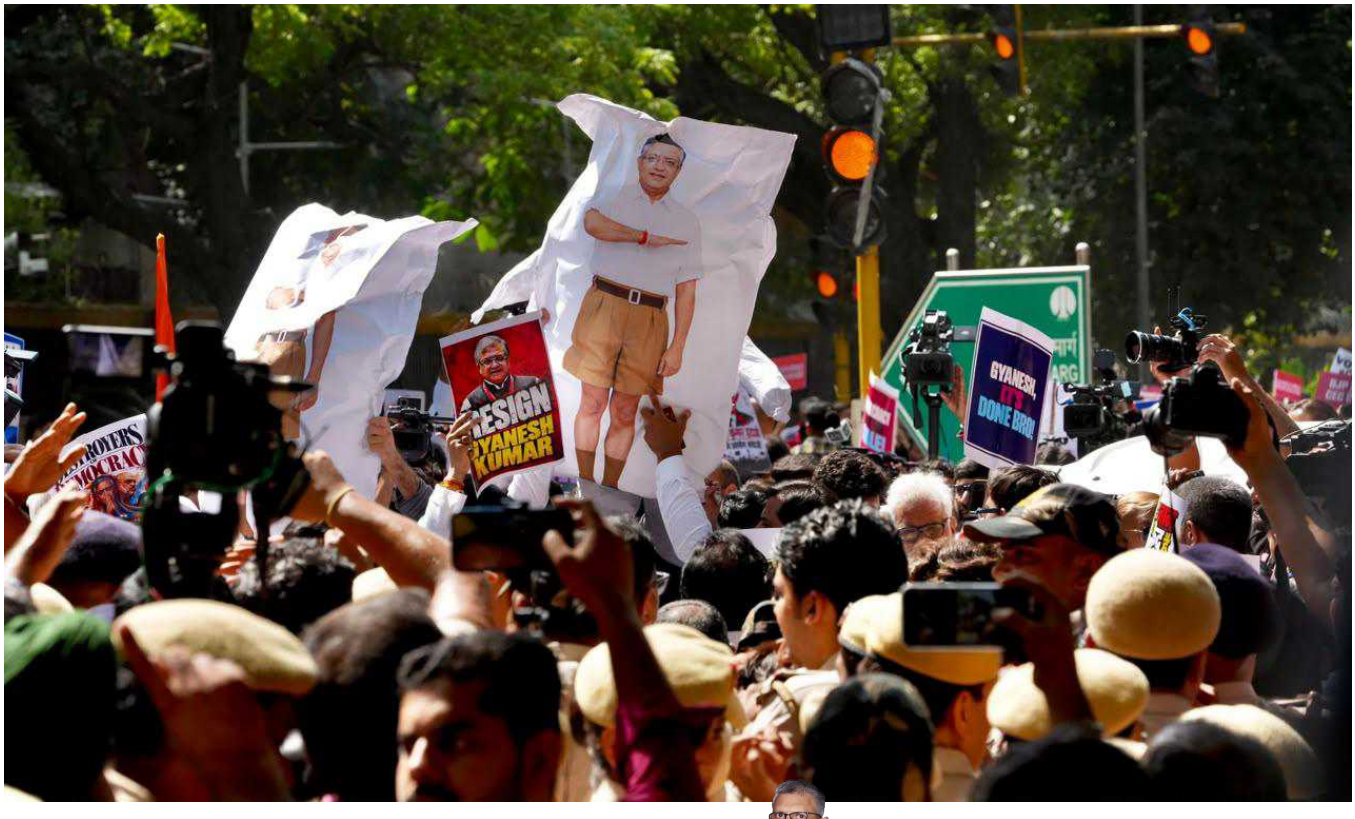
बेईमानी हुई। चुन-चुन कर अधिकारी तैनात किए गए थे। उपचुनाव में वोटों की लूट हुई लेकिन आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की।

श्री यादव ने कहा कि सभी लोगों ने देखा कि एसआईआर के बाद बिहार का चुनाव किस तरह से हुआ। यूपी के उपचुनाव में लूट का जो मॉडल अपनाया गया था वहीं मॉडल बंगाल के चुनाव में विस्तार करके लागू किया गया। पश्चिम बंगाल में तीन लाख केन्द्रीय फोर्स लगाकर चुनाव लूट लिया। यूपी में एसआईआर में घपलेबाजी हो रही थी।

लखनऊ में एक ही व्यक्ति के फर्जी हस्ताक्षर से प्रिन्टेड फार्म के जरिए सौ लोगों के वोट काटने की साजिश हुई। सुल्तानपुर में जो नंदलाल निषाद हस्ताक्षर नहीं कर पाते उनके नाम से बड़े लोगों को वोट काटने का प्रयास हुआ। चुनाव आयोग की प्रक्रिया में तमाम खामियां हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अब सब कुछ सामने आ चुका है। सरकार में रहने के लिए चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के साथ कौन खिलवाड़ कर रहा है। इसका मतलब है कि इस दौरान जो सरकारें बनी है उन्होंने लोकतंत्र की धज्जियां उड़ायीं हैं।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता और साख पर संकट





अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

भारत के निर्वाचन आयोग के फैसलों और उसमें होने वाली नियुक्तियों पर पहले भी विवाद रहे हैं। पर वे सब इस तरह से रहे हैं जैसे दाल में कुछ काला हो लेकिन आज विवादों ने उसे इस कदर घेर रखा है उससे लगता है कि पूरी दाल ही काली है।

पहले भी सत्तारूढ़ दल, सरकार और चुनाव आयोग के बीच विवाद रहे हैं। कभी चुनाव आयोग पर मनमानी के आरोप लगते रहे हैं तो कभी सरकार पर लेकिन आज यह विवाद आयोग और सीधे-सीधे जनता के बीच है। उसमें जनता के प्रतिनिधि के तौर पर विपक्ष एक प्रतिपक्ष है।

उससे भी बड़ी बात यह है कि चुनाव आयोग ने अपनी स्वायत्तता को कायम करने के बजाय सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी के हितसाधन के एक औजार के तौर पर काम किया है। उसके पास अपनी साख को बचाने के लिए कोई दलील बच नहीं रही है।

उसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने वालों में इंडिया गठबंधन में शामिल और उसके नेता तो हैं ही लेकिन मामला सिर्फ इतना ही नहीं है। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल न्यायपालिका में बैठे हुए न्यायमूर्ति उठा रहे हैं, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त और आयुक्त उठा रहे हैं।

इंडियन एक्सप्रेस अखबार ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट के माध्यम से बता दिया है कि पिछले

दस माह में आयोग के अहम हिस्से बाकी दो अन्य चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को 14 पत्र लिखकर तमाम फैसलों से असहमति जताई है।

आयोग पर, विशेष कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश गुप्ता पर जो सबसे बड़े आरोप हैं वे हैं बहुमत या आपसी सहमति से फैसले न लेना, फार्म 6 यानी नए मतदाता बनाए जाने वाले आवेदन में वैधानिक अधिकारों के बिना बदलाव करना। एक और बड़ा आरोप यह है कि फार्म 7 यानी किसी मतदाता के नाम पर आपत्ति उठाए जाने के अधिकार का दुरुपयोग सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने आयोग से मिलकर किया है। अपने विरोधियों का नाम कटवाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं ने सौ-सौ फार्म भरे हैं और उनके आधार पर लाखों लोगों को नाम काटे गए हैं और फिर चुनाव जीते गए हैं। पश्चिम बंगाल और बिहार का चुनाव इसका प्रमाण है।

आयोग की कार्यप्रणाली पर सबसे बड़ा सवाल उसकी डिजिटल प्रणाली यानी ईसीआईनेट को लेकर है। ईसीआईनेट अपने में एक स्वायत्त प्रणाली बन गया है और उसने स्थानीय स्तर के एसडीएम रैंक के अधिकारी यानी इलेक्शन रजिस्ट्रेशन आफिसर ईआरओ के अधिकार को लगभग दरकिनार कर दिया।

ईसीआईनेट की महानिदेशक सीमा खन्ना नाम की एक अधिकारी बना दी गई थीं जो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सीधे रिपोर्ट करती थीं। बाकी चुनाव आयुक्तों ने इस बात पर आपत्तियां उठाईं थीं कि यह कौन सी प्रणाली है जिसमें उन दोनों की भी नहीं चलती और ईआरओ एकदम अप्रासंगिक हो चला है।

चुनाव आयोग ने मतदाता सूची से विदेशी घुसपैठियों और फर्जी नामों को हटाने के लिए बिहार में पिछले साल मानसून के महीने में विशेष गहन पुनरीक्षण का अभियान चलाया। बिहार में चलाए गए उस अभियान के आधार पर अक्तूबर 2025 में जो चुनाव हुए उसमें बड़ी आसानी से एनडीए गठबंधन जीत गया।

13 करोड़ वास्तव में यूरोप के कई देशों की आबादी नहीं है। किसी भी देश में इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का सूची से बाहर किया जाना एक बड़ी घटना है लेकिन चुनाव आयोग इसे अपना अधिकार मान रहा है और भाजपा इसे अपने लक्ष्य की प्राप्ति का साधन

कुछ ऐसा ही अभियान पश्चिम बंगाल में चलाया गया और मतदाता सूची से पहले 90 लाख और अंत में करीब 26 लाख नाम हटाए गए। संयोग से जितने नाम हटाए गए, लगभग उतने ही मतों से भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल का चुनाव जीत लिया। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने लोगों को राहत देने के लिए ट्रिब्यूनल बनाए ताकि लोग वहां अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकें। ट्रिब्यूनल ने जिन 16 लाख लोगों के नाम क्लीयर किए उनके विरुद्ध चुनाव आयोग अपील में चला गया।

चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण की जो प्रक्रिया देश भर में चलाई है उसके तहत अब तक देश भर में 13 करोड़ मतदाता सूची से बाहर किए गए हैं। ऐसे मतदाताओं की नागरिकता, पहचान और उनको मिलने वाली तमाम सरकारी सुविधाओं पर तलवार लटक गई है।

अब वे दर दर भटक रहे हैं और अपने व अपनी संतानों का भविष्य अनिश्चित पा रहे हैं। लोग संदेह जता रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी और संघ परिवार लंबे समय से सार्वभौमिक मताधिकार का विरोध करता रहा है और सत्ता में बैठकर वह अपनी उसी सोच को अंजाम दे रहा है।

वह नहीं चाहता था कि अल्पसंख्यक समाज को बराबर का अधिकार मिले। वह उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक बनाना चाहता था। कभी एनआरसी के माध्यम से तो कभी एसआईआर के माधयम से। मौका देखकर उसने यह काम चुनाव आयोग के माध्यम से करा दिया।

13 करोड़ वास्तव में यूरोप के कई देशों की आबादी नहीं है। किसी भी देश में इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का सूची से बाहर किया जाना एक बड़ी घटना है लेकिन चुनाव आयोग इसे अपना अधिकार मान रहा है और भाजपा इसे अपने लक्ष्य की प्राप्ति का साधन।

इस मामले पर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी का कहना है कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह असंवैधानिक है और यह देश के नागरिकों के साथ की जा रही सबसे बड़ी धोखाधड़ी है। इस प्रक्रिया पर पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा भी आपत्ति

कर रहे हैं। वे लगातार लिख रहे हैं और आयोग को अपनी साख बचाने के लिए चेता रहे हैं। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओपी रावत भी इस प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं।

भारत के चुनाव आयोग को लेकर आपत्तियां सिर्फ कांग्रेस पार्टी, समाजवादी पार्टी और वामपंथी दलों ने ही नहीं की हैं। दक्षिणपंथी अखबार द इकानामिस्ट ने भी की है। न्यूयार्क टाइम्स व बीबीसी ने भी की है। सभी चुनाव आयोग की कार्रवाई को संदेह की नजर से देख रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां ने हैदराबाद के नालसर में कहा कि मतदाता सूची से नाम काटना किसी भी नागरिक के शरीर से आत्मा निकाल लिए जाने के समान है। उन्होंने भी इस प्रक्रिया को बहुत बड़ी धोखाधड़ी कहा। उनका कहना था कि लोकतंत्र में एक व्यक्ति एक मत का सिद्धांत मान्य है।

जब नागरिक से यह अधिकार ले लिया जाएगा तो लोकतंत्र गैर बराबरी पर आधारित हो जाएगा और वह लोकतंत्र नहीं कहा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह स्वाभाविक रूप से मनमानी है और संवैधानिक व्यवस्था का निषेध है।

पूर्व न्यायमूर्ति नारीमन ने भी एसआईआर की प्रक्रिया का विरोध किया है। कई अखबारों ने इस बारे में अपने संपादकीय लिखे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि तार्किक विसंगति के आधार पर आयोग ऐसे लोगों को नोटिसें जारी कर रहा है जो देश के गणमान्य लोग हैं।

तार्किक विसंगति के आधार पर आयोग ने नोबल अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को नोटिस जारी किया था। फिर देश के जाने माने चित्रकार नंदलाल बसु के पौत्र को तो मतदाता सूची से बाहर ही कर दिया। वे काफी मशक्कत के बाद अपना नाम जुड़वा पाए। सोचा जा सकता है कि इस प्रक्रिया में आम आदमी की क्या दशा होगी ल।

चुनाव आयोग की इस असाधारण शक्ति के पीछे सरकार की ओर से पारित वह कानून है जिसके तहत आयुक्तों की नियुक्ति को पूरी तरह सरकार के अधिकार क्षेत्र का मामला बना दिया गया और उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान लिए गए फैसलों पर उन्मुक्ति प्रदान कर दी गई।

सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2023 में एक फैसले में कहा था कि चुनाव आयोग को तटस्थ और स्वायत्त होना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि उसे नियुक्त करने का जो पैनल हो उसमें प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल हों लेकिन सरकार ने उस फैसले को पलट दिया। सरकार ने संसद से कानून पारित करवाया और उसके तहत उस पैनल में भारत के मुख्य न्यायाधीश का नाम हटाकर उनकी जगह पर केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य का नाम रख दिया।

अब प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री मिलकर





आयोग के सदस्यों का नाम तय करते हैं और नेता प्रतिपक्ष देखते रह जाते हैं। उससे भी बड़ी बात वह उन्मुक्ति है जो राष्ट्रपति के अलावा किसी भी अधिकारी को नहीं मिली है। वह है अपने कार्यकाल के दौरान लिए गए फैसलों के विरुद्ध हर तरह के कानूनी उत्तरदायित्व से मुक्ति।

सुप्रीम कोर्ट के एक जज ने तो यहां तक कहा कि यह उन्मुक्ति तो उन लोगों को भी नहीं मिली है। आयोग के सदस्यों को हटाने के लिए महाभियोग की जो व्यवस्था है अपनी जगह उन्हें शक्तिशाली बनाती है।

अब प्रधानमंत्री और गृहमंत्री मिलकर चुनाव आयुक्त को चुनते हैं और नेता प्रतिपक्ष को दरकिनार कर देते हैं। उनकी आपत्तियों में मतदाताओं का नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया, फार्म 6 और आयोग के आंकड़ों का केंद्रीकरण है। इस प्रक्रिया के तहत महिलाओं, अल्पसंख्यकों और युवाओं के नाम बड़ी संख्या में हटाए गए हैं।

इससे पहले चुनाव आयोग को 1989 में तीन सदस्यीय बनाए जाने पर विवाद हुए थे। वह कुछ समय के लिए तीन सदस्यीय रहा फिर 1990 से 1993 तक एक सदस्यीय हो गया। उसके बाद जब उसे तीन सदस्यीय बनाया गया तो टीएन शेषन मुख्य चुनाव आयुक्त थे। टीएन शेषन का कार्यकाल काफी झंझावातों से भरा रहा। लेकिन वह कार्यकाल किसी धांधली और जनता के अधिकारों की लूट का नहीं था बल्कि सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त के बीच स्वायत्तता को लेकर छिड़े टकराव का था।

टीएन शेषन ने सरकार के अधिकारियों को यह संदेश बार बार दिया था कि वे स्वायत्त हैं और किसी के आदेश का पालन नहीं करेंगे। शेषन ने अपनी स्वायत्तता का इस्तेमाल जनता के हित में और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता में किया। वे 1990 से लेकर 1996 तक मुख्य चुनाव आयुक्त रहे। उस समय उन्होंने तमाम चुनाव रद्द किए और रोके भी लेकिन उनकी नीयत पर संदेह नहीं हुआ। आज आयोग की निष्पक्षता और साख संकट में है। देखना है आंदोलन पर उतरा इंडिया गठबंधन और काकरोच जनता पार्टी के साथ नागरिक समाज इसे कैसे बहाल करता है और सुप्रीम कोर्ट व सरकार इसमें कौन सी भूमिका निभाते हैं।

भाजपा को हराने के लिए सपा में आने वालों का स्वागत -अखिलेश



बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा को हराने के लिए समाजवादी पार्टी के साथ जो लोग आना चाहते हैं, सबका स्वागत है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने प्रदेश और देश के सामने संकट पैदा किया है, भाजपा सत्ता से हटेगी तभी संकट दूर होगा। श्री अखिलेश यादव ने लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राज्य कार्यालय पर 1 अक्तूबर को आयोजित लोकतंत्र रक्षक सेनानी सम्मान समारोह के बाद पत्रकारों से वार्ता में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में हर वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है। सब लोग भाजपा को हटाने में सपा की मदद करें। आने वाले समय में पीडीए और जेन जी भाजपा का सफाया कर देंगे। जनता को भाजपा पर भरोसा नहीं है। नई पीढ़ी भाजपा से बहुत नाराज है। समाजवादी पार्टी नई पीढ़ी के नौकरी, रोजगार के लिए अपने घोषणा पत्र में शामिल करेगी।

इससे पहले लोकतंत्र रक्षक सेनानी सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए श्री यादव ने घोषणा की कि 2027 में समाजवादी सरकार बनते ही पहली कैबिनेट की बैठक में लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान राशि 20 हजार से बढ़ाकर 51 हजार रुपए की जाएगी।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों के दवा, इलाज और सरकारी अस्पतालों में विशेष सुविधा देकर पूरा इलाज मुफ्त होगा। लोकतंत्र सेनानियों के महत्वपूर्ण सुझावों पर

भी अमल किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अन्याय, अत्याचार, महंगाई, भ्रष्टाचार चरम पर। जिस तरह से सब लोग मिलकर आपातकाल में लड़े थे, उसी तरह से एक बार फिर एकजुट होकर लड़ेंगे, लोकतंत्र और संविधान को बचाएंगे।

सम्मेलन में लोकतंत्र रक्षक सेनानियों ने संकल्प लिया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी सरकार को समर्थन देंगे और श्री अखिलेश यादव को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाएंगे जिससे लोकतंत्र बचेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है। जिस काल में पीडीए पर अत्याचार होगा, वह हर काल आपातकाल होगा। आज आपातकाल से भी ज्यादा खतरनाक हालात हैं। भाईचारा और सौहार्द को खत्म किया जा रहा है। समाज में खाई पैदा की जा रही है। भाजपा सरकार सामाजिक तानेबाने को खत्म कर रही है। इस संकट का समाधान तभी होगा जब भाजपा हटेगी।

उन्होंने कहा कि आज भी लोकतंत्र सेनानियों में वही ऊर्जा है जो 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है' उद्घोष में व्यक्त हुई थी। लोकतंत्र रक्षक सेनानी फिर वही परिवर्तन लाएंगे। जब लोकतंत्र बचेगा तब संविधान बचेगा। इस समय परिस्थितियां 1975 के समय से ज्यादा कठिन है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल यादव ने भी लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को संबोधित किया। सम्मेलन का आयोजन श्री आनन्द भदौरिया सांसद ने किया।



बात सीट की नहीं जीत की है

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर जारी अपने वक्तव्य में कहा है कि मकसद जब साफ हो तो हाथ-में-हाथ होता है, निगाह मंजिल पर हो तो सफर आसान होता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बात बड़ी ये नहीं है कि गठबंधन में कितनी सीटें या कौन सी सीट किसके पास जा रही है, बात बड़ी ये है कि हम सबको ये सुनिश्चित करना है कि जीत गठबंधन की हो। उन्होंने कहा कि फिर दोहराते हैं, बात सीट की नहीं जीत की है।

ये जीत हमारे गठबंधन के दलों से बढ़कर हम सबकी उस संयुक्त कोशिश की जीत होगी जो इसलिए लगातार संघर्षरत है कि सांप्रदायिकता फिर कभी सिर न उठा सके और लोकतंत्र-संविधान-आरक्षण पर भाजपाई आंच न आए और देश का सौहार्द फिर से खिलखिलाए, देश की तरक्की और खुशहाली फिर से मुस्कुराए।

27 के चुनाव में 27 हजार वोटों की बढ़त का लक्ष्य



बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी ने वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में होने वाले चुनाव में हर विधानसभा क्षेत्र में 27 हजार वोट बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। पार्टी की रणनीति है कि इस तरह भाजपा के 27 हजार वोट कम होंगे और ये वोट समाजवादी पार्टी में आएंगे।

20 सितंबर को लखनऊ में राज्य मुख्यालय पर समाजवादी पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस बार चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है।

उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में पीडीए दुःखी, पीड़ित, अपमानित है। जनता महंगाई, भ्रष्टाचार से त्रस्त है। समाजवादी सरकार में सामाजिक न्याय के राज की स्थापना होगी। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार में भाजपा की केन्द्र सरकार की मनमानी नहीं चल पाएगी। न दानाशाही रही न तानाशाही रहेगी। लोकतंत्र के लिए समाजवादी सरकार बनाना जरूरी है।

बैठक के बाद मीडिया से वार्ता में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की नीयत कभी आरक्षण के पक्ष में नहीं रही। लेटरल इंट्री, आउटसोर्स ऐसे तमाम उदाहरण हैं। पीडीए अफसरों को अच्छी तैनाती नहीं देते। विधानसभा चुनाव संबंधित काम में 10 प्रतिशत भी पीडीए समाज के अधिकारी नहीं हैं। चुनाव के समय यह संख्या जीरो हो जाएगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बिना सद्भाव और समाज में सौहार्द के खुशहाली संभव नहीं है। भाजपा ने लोगों को दुःखी किया और माहौल खराब किया। समाज में नफरत

फैलाई। मुस्लिम भाइयों से मैं कहना चाहता हूँ कि उन्होंने जिस तरह का धैर्य का परिचय दिया है उसके लिए धन्यवाद। सरकार लगातार माहौल खराब करना चाह रही है लेकिन वह लोग धैर्य का परिचय दे रहे हैं।

श्री यादव ने कहा कि एआई का इस्तेमाल समाजवादी पार्टी की सरकार में रिमोर्ट सेंसिंग के साथ-साथ जितनी भी मॉडल टेक्नालोजी होगी सबसे पहले किसानों के लिए इस्तेमाल होगी। इसके साथ ही पढ़ाई से इसका इस्तेमाल किया जाएगा।

आने वाले समय में खेती, स्वास्थ्य और शिक्षा में एआई के साथ बेहतर टेक्नालोजी का इस्तेमाल किया जाएगा। फेक एनकाउण्टर का पता भी लगाया जाएगा। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में समाजवादी पार्टी के निर्दोष नेताओं और कार्यकर्ताओं को झूठे केसों में फंसाया जा रहा है। लगभग 10 हजार फेक एनकाउंटर हो चुके हैं।

श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के नेताओं से कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा जनसम्पर्क में रहें और अपनी भाषा व्यवहार से लोगों का दिल जीतें। लोगों के दुःख दर्द में शरीक रहें। गरीबों की मदद करें। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में सभी को न्याय मिलेगा और किसान, मजदूर, व्यापारी, छात्र, नौजवान सभी खुशहाल होंगे। उत्तर प्रदेश विकास के रास्ते पर चलकर सबसे उत्तम प्रदेश बनेगा।

श्री अखिलेश यादव ने अपने पूर्व घोषित ऐलान को दोहराते हुए कहा कि महिलाओं को 40 हजार रूपए पेंशन के साथ उन्हें कारोबार के लिए दो लाख रूपए अतिरिक्त दिए जाएंगे। ऐसा इसलिए कि भाजपा महिलाओं को 1 लाख रूपए देने के लिए लोन ले रही है। हम भी उसी बैंक से लोन लेंगे और महिलाओं को 2 लाख रुपए देंगे। किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाएंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा राज में हर तरफ भ्रष्टाचार है। कानून व्यवस्था का बुरा हाल है। अस्पतालों में न डॉक्टर हैं न इलाज हो रहा है। स्कूल बंद हो रहे हैं। नौकरियां हैं नही, भर्तियां नहीं हो रही हैं और पेपर लीक से सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश में हुए हैं। प्रदेश में नौजवान बेरोजगार है जिनकी संख्या करोड़ों में है।





विश्वकर्मा जयंती पर बहाल होगी सार्वजनिक छुट्टी

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि सपा सरकार में भगवान विश्वकर्मा जयंती पर पहले की तरह सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाएगा। साथ ही राजधानी लखनऊ में गोमती रिवर फ्रंट पर भगवान विश्वकर्मा जी के भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिस तरह भगवान खाटू श्याम का भव्य मंदिर रिवर फ्रंट पर बना है, उसी तरह सभी नियमों का पालन करते हुए भगवान विश्वकर्मा का भी आधुनिक और भव्य मंदिर बनाया जाएगा।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री राम आसरे विश्वकर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को भगवान विश्वकर्मा का चित्र भेंट किया और शाल ओढ़ाकर स्वागत किया।



खिलाड़ियों का मान बढ़ाएगी सपा सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने खिलाड़ियों के सम्मान में बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि खेल को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को यश भारती सम्मान के साथ 21 लाख रुपये की धनराशि व एक लाख रुपये महीना पेंशन दी जाएगी।

इससे पहले समाजवादी सरकार में यश भारती के साथ 11 लाख व 50 हजार महीना पेंशन दी जाती थी जिसे भाजपा सरकार ने बंद कर दिया। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने खेल के साथ ही खेल कर दिया है। खिलाड़ी भाजपा राज में अपमानित हो रहे हैं। उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। खिलाड़ियों को खेल प्रतिस्पर्धाओं में तैयारी के लिए जो सुविधाएं चाहिए, उन्हें नहीं मिलती हैं उन्हें विदेशों में होने वाली प्रतिस्पर्धाओं में जाने के लिए अपने पास से या किसी से उधार लेकर यात्रा खर्च वहन करना होता है।

27 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर खिलाड़ियों के साथ बैठक करते हुए श्री अखिलेश यादव ने भरोसा दिलाया कि समाजवादी सरकार में खेल-खिलाड़ियों की तमाम समस्याओं का समाधान किया जाएगा। सपा की पिछली सरकार ने खिलाड़ियों को यशभारती सम्मान दिया था। उन्हें 11 लाख रूपए के अतिरिक्त 50 हजार रुपये पेंशन दी गई थी। भाजपा सरकार ने आते ही यह सम्मान बंद कर दिया।

प्रो. रामगोपाल यादव
राज्यसभा के लिए फिर निर्वाचित



बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में हाल में संपन्न राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव समेत सपा के एक और प्रत्याशी धनराज नाथवानी निर्वाचित घोषित किए गए हैं। 9 अक्टूबर को प्रो राम गोपाल यादव के अलावा सपा प्रत्याशी धनराज नाथवानी के निर्विरोध निर्वाचित होने की घोषणा की गई।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रो. रामगोपाल यादव संगठन की राजनीतिक दिशा और संसदीय गतिविधियों के बीच समन्वय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। संसद में विभिन्न मुद्दों पर समाजवादी पार्टी का पक्ष रखने और केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने के मामले में भी उनका अनुभव पार्टी के लिए हमेशा उपयोगी रहा है। समाजवादी पार्टी नेतृत्व एवं कार्यकर्ताओं ने सपा के दोनों उम्मीदवारों के निर्वाचित होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्यसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो रामगोपाल यादव और श्री धनराज परिमल नाथवानी ने 30 सितंबर को विधानसभा भवन पहुंचकर नामांकन पत्र दाखिल किया था। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव, राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री शिवपाल सिंह यादव समेत समाजवादी पार्टी के विधायक एवं प्रमुख नेता मौजूद रहे।

लोहिया जी के सपनों को पूरा कर समृद्धि और समानता लाएंगे -अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो



समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय समेत उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि 12 अक्टूबर को श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

लखनऊ में मुख्य कार्यक्रम गोमतीनगर स्थित डा. राममनोहर लोहिया पार्क में हुआ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लोहिया पार्क पहुंचकर डॉ. लोहिया की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, सांसद आरके चौधरी, विधायक रविदास मेहरोत्रा, समेत अन्य नेताओं ने पुष्प अर्पित कर डॉ. लोहिया को श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि देने के बाद श्री अखिलेश यादव ने

कहा कि डॉ. राम मनोहर लोहिया ने आजीवन भेदभाव, अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी। वे हर तरह के भेदभाव, ऊंच-नीच की भावना के खिलाफ थे। वे समानता और खुशहाली चाहते थे।

डॉ. लोहिया ने समाजवादी सिद्धांत और विचार दिया। सप्तक्रांति का नारा दिया। समाजवादी पार्टी बाबा साहब डॉ.अंबेडकर के संविधान, डॉ. लोहिया के समाजवादी विचारों और नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्षों का साथ लेकर समाजवादी समाज बनाने के लिए काम कर रही है। हम सब मिलकर बाबा साहब डॉ. अंबेडकर, डॉ. लोहिया और नेताजी के सपनों को पूरा करेंगे। समृद्धि और समानता लाएंगे।

श्री यादव कहा कि आज देश में आर्थिक भेदभाव चरम पर है। कुछ लोग इतने अमीर हैं कि उसकी कल्पना नहीं की जा सकती और बड़ी संख्या में लोग इतने गरीब हैं कि अपनी जरूरत का सामान भी नहीं पाते हैं। नौकरी, रोजगार नहीं है। महंगाई बढ़ती जा रही है। इस समय देश में समाजवादी समाज और समाजवादी सरकार की सबसे ज्यादा जरूरत है। कभी डॉ. लोहिया ने दाम बांधो नीति लागू करने की मांग की थी। हम भरोसा दिलाते हैं कि समाजवादी सरकार बनने पर जरूरत की चीजों को दाम बांधो नीति के अंदर लाकर महंगाई रोकने का काम करेंगे जिससे कोई भी ज्यादा मुनाफा न कमा पाए।

अखिलेश जी ने कहा कि नेताजी ने डा. लोहिया के नाम पर शानदार पार्क बनाया। इस पार्क में क्वालिटी प्लांटेशन हुई है। यह पहला पार्क है जिसमें कोई पेड़ नहीं काटा गया था। नए-नए पेड़ लगाए गए।

इस अवसर पर सर्वश्री उदयवीर सिंह, डॉ. राजपाल कश्यप पूर्व एमएलसी, सीएल वर्मा, राजकुमार मिश्रा आदि ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग और नौकरशाही भाजपा के इशारे पर काम कर रही है। भाजपा संवैधानिक संस्थाओं को अपने हिसाब से चला रही है। सरकार संविधान के अनुसार काम नहीं कर रही। देश का लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। भाजपा देश के लिए संकट है। भाजपा सत्ता से हटेगी तभी संकट हटेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वोट चोरी और चुनावों में धांधली के खिलाफ हम लोग शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध जारी रखेंगे। लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई लड़ते रहेंगे।



जेपी की जयंती पर संपूर्णक्रांति के विचार को आगे बढ़ाने का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो



लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर 11 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने गोमतीनगर स्थित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल केन्द्र में पहुंचकर उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने और समाज को सुधारने के लिए पूरा जीवन लगा दिया। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ काम किया, स्वतंत्रता आंदोलन में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। जब देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर थी, तब जयप्रकाश नारायण ने छात्रों-नौजवानों का नेतृत्व किया और देश में परिवर्तन देने का काम किया। उन्होंने समाजवादी विचार दिया। समाजवादी सरकार में भारतरत्न जयप्रकाश नारायण के नाम पर शानदार और बड़ा स्मारक जेपीएनआईसी बनाया गया।

आज उनकी जयंती पर सभी समाजवादी लोग जय प्रकाश नारायण जी के बताए रास्ते पर चलने और उनके संपूर्णक्रांति के विचार

को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जेपीएनआईसी के म्यूजियम में वह जगह भी बनाई गई थी, किस तरह से आजादी के आंदोलन में जेपी जेल से कूद कर फरार हो गए थे।

भाजपा सरकार ने जेपीएनआईसी को बर्बाद कर दिया। सब चीजें खराब हो गईं। भाजपा ने भारतरत्न जेपी के नाम पर बनाए गए जेपीएनआईसी को बेच दिया। भाजपा सब चीज बेच देना चाहती है। वह किसी भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और समाज सुधारक नेता का सम्मान नहीं करती है।

सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा के लोग आजादी की लड़ाई में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ नहीं थे। वे आजादी के संघर्ष को नहीं जानते हैं। जेपीएनआईसी जय प्रकाश नारायण के संघर्ष और विचारधारा की जगह है, भाजपा ने इसे भी बेच दिया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अभी तक समाजवादियों को जेपीएनआईसी आने से रोकती रही लेकिन अब उत्तर प्रदेश में परिवर्तन का आगाज हो गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा हारी है, 2027 के विधानसभा चुनाव में उसका सफाया हो जाएगा।

जनता भाजपा को हराने जा रही है। बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों की लड़ाई है। जब महंगाई, बेरोजगारी और प्रशासनिक अराजकता चरम पर थी तब जेपी के नेतृत्व में परिवर्तन हुआ था। आज भी वहीं हालात है।

बेईमानी, भ्रष्टाचार, लूट और झूठ चरम पर है। देश में जनता की आवाज दबाई जा रही है। लोगों के अधिकार छीने जा रहे हैं। इस



बार भी परिवर्तन होना तय है। उत्तर प्रदेश में 45 दिनों के बाद परिवर्तन दिखाई देने लगेगा। समाजवादी सरकार आएगी, भाजपा हमेशा के लिए चली जाएगी। लोगों को नई आजादी का अहसास होगा।

अयोध्या को लेकर एक सवाल के जवाब में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे पवन की हवा में अहंकारी सरकार के लोग उड़ जाएंगे। समाजवादी पार्टी ने अयोध्या से पवन पाण्डेय का टिकट सबसे पहले तय कर दिया है। वहां भाजपा टिक नहीं पाएगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश की जनता को मुख्य चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है, उन्हें स्वयं इस्तीफा दे देना चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान बेटियों के साथ हुई अभद्रता की जो तस्वीरे आई हैं वह बेहद निन्दनीय है।

श्री अखिलेश यादव के साथ पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री तेज नारायण पाण्डेय पवन पाण्डेय, पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष, सीएल वर्मा, छात्रसभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा, लखनऊ उत्तर क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी सुश्री पूजा शुक्ला, प्रवक्ता दीपक रंजन लखनऊ जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत, महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी समेत बड़ी संख्या में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जय प्रकाश नारायण की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

सपा सरकार में होगी सरकारी नौकरी की गारंटी

बुलेटिन ब्यूरो



समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 'पीडीए संकल्प-शिक्षक-अभ्यर्थी संवाद, अखिलेश जी के साथ' कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद छात्र-छात्राओं-अभिभावकों और अभ्यर्थियों के साथ संवाद करते हुए घोषणा की कि 2027 में समाजवादी सरकार में सरकारी नौकरियों की गारंटी होगी। नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी होगी।

उन्होंने कहा कि परीक्षा भर्ती का वार्षिक कैलेंडर बनेगा। पेपरलीक रोकने के लिए विशेष बल रहेगा और दोषियों पर कड़ी कार्यवाही होगी। शिक्षकों के लिए अच्छे प्रशिक्षण की व्यवस्था होगी। आउट सोर्सिंग को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया जाएगा। पक्की नौकरियां दी जाएंगी।

3 अक्तूबर को डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बिना नौकरी और रोजगार के कोई भी अर्थव्यवस्था बढ़ नहीं सकती है। अभी शिक्षा और रोजगार के बीच कोई समन्वय नहीं है। परीक्षाओं के पेपर लीक नहीं होते हैं बल्कि कराए जाते हैं। समाजवादी सरकार में पेपरलीक पर कड़ाई से बंदिश रहेगी। विश्वविद्यालय एक विचारधारा के अड्डे बना दिए गए हैं। वहां गिरोह बन गए हैं। विश्वविद्यालयों में सुधार की जरूरत होगी।

श्री यादव ने कार्यक्रम के आयोजकों का धन्यवाद करते हुए पहले तो याद दिलाया कि कार्यक्रम स्थल डॉ. राममनोहर लोहिया पार्क नेताजी श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव ने बनवाया था। 5 हेक्टेयर में बने इस पार्क के निर्माण के दौर में एक भी पेड़ काटा नहीं गया। उन्हें स्थानांतरित किया गया। यहां लगी घड़ी आज भी सही समय बता रही है।

सपा मुखिया ने कहा कि उनकी सरकार के कार्यकाल में बने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की प्रशंसा सभी ने की है। यहां आखिरी छोर पर ही टोल टैक्स लगता है जबकि भाजपा राज में बने गंगा एक्सप्रेस-वे में मछलियां तैरती हैं। गोरखपुर स्पेन नहीं बना वाराणसी को क्योटो नहीं बना पाए। राजधानी लखनऊ में एचसीएल और ट्रिपल आईटी हब बना। समाजवादी पार्टी की सरकार में दिए लैपटॉप अभी तक चल रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने इस अवसर पर केडी कैम्पस की संस्थापक नीतू सिंह, टीडब्लूए के

संस्थापक अंकित चौधरी, एयर गुरुकुल के संस्थापक निर्भय कुमार तथा अभिनव मैथ्स के श्री अभिनव शर्मा सहित अन्य कई कोचिंग संचालकों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्य सचिव श्री आलोक रंजन भी मौजूद रहे ।

कार्यक्रम की शुरुआत में नीतू सिंह ने श्री अखिलेश यादव के विजन की प्रशंसा करते हुए लैपटॉप देने का जिक्र किया। उन्होंने रोजगार के अधिकार को सुनिश्चित करने पर बल दिया। कार्यक्रम में श्री अंकित चौधरी ने भर्ती में परिणाम और नियुक्ति तक समय सीमा तय करने पर बल दिया। उन्होंने छात्र समाधान पोर्टल का सुझाव दिया।

श्री निर्भय कुमार ने कहा कि युवाओं को हक की लड़ाई खुद लड़नी होगी। उन्होंने नैतिक विकास पर बल दिया। श्री अभिनव शर्मा ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा कि युवा देश को बदल सकते हैं। आज पाखंड की सीमाएं खत्म हो चली हैं और सत्ता की भूख अभी भी पूरी नहीं हुई है।

सभी वक्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश में परिवर्तन की नई हवा बह रही है। लोगों की निगाहें अखिलेश यादव जी पर टिकी हैं। जनता का भरोसा उन पर है। उनके नेतृत्व में समाजवादी सरकार बनने पर ही प्रदेश के युवाओं को रोटी-रोजगार और सम्मान तथा सामाजिक न्याय के राज की स्थापना का सपना पूरा होगा।

वक्ताओं ने भाजपा राज में बढ़ते अपराध, शिक्षा की दुर्व्यवस्था की चर्चा की और भाजपा सरकार के हर मोर्चे पर विफलता का जिक्र किया।

किसानों की बेहतरी के लिए भाजपा का हटना जरूरी



बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में 30 सितंबर को आयोजित किसान सम्मेलन में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर किसानों की सभी समस्याओं का समाधान होगा इसलिए भाजपा को हटाना ही होगा। भाजपा के सत्ता में रहते किसान, नौजवान, व्यापारी, शिक्षक और जनसामान्य किसी को राहत नहीं मिलने वाली है। किसान सम्मेलन के आयोजक किसान नेता हरेन्द्र ताऊ रहे।

किसान सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि श्री अखिलेश यादव ने कहा कि किसानों को धन्यवाद देना चाहिए क्योंकि वही पेट भरता है। कपड़े भी पहनाता है। आज देश की अर्थव्यवस्था अगर अच्छी होने के दावे हैं तो उसके पीछे किसान के श्रम और उत्पादकता का योगदान है।

किसान सम्मेलन में बड़ी संख्या में आए किसान अपनी टोपी में हरी पट्टी लगाए थे। श्री अखिलेश यादव ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि हरियाली खुशी का प्रतीक है। जीवन में हरियाली का विशेष महत्व है। किसान का जमीन से रिश्ता है। वही देश खुशहाली में होगा जिसका किसान खुशहाल होगा। किसान के लाभप्रद उत्पादन से ही देश की अर्थव्यवस्था अच्छी हो सकती है। हरा रंग और लाल रंग मिलकर समाजवादी पार्टी का झंडा बनता है। समाजवादी पार्टी किसानों की हितैषी है।



सकारात्मक राजनीति की सक्रिय पाठशाला थे

रामगोविंद जी

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव 9 अक्टूबर को बलिया के गोसाईंपुर पहुंचकर पूर्व नेता विरोधी दल स्व रामगोविंद चौधरी के तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल हुए। राम गोविंद जी का निधन 26 सितंबर को लखनऊ में हुआ।

श्री यादव ने स्व रामगोविंद चौधरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और परिजनों से मिलकर सांत्वना दी। इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री रामगोविंद चौधरी जी जमीन से जुड़े नेता थे।

श्री रामगोविंद चौधरी जी को पक्ष एवं विपक्ष सभी गंभीरता से सुनते थे। वह एक विचार देकर गये हैं। हम सबकी जिम्मेदारी और संकल्प है कि उनके विचार और संघर्ष को आगे बढ़ाये। वह बलिया के बल थे। राजनीति में वे कभी झुके नहीं। लोगों को अपने विचारों से जोड़ने का काम किया। श्री अखिलेश यादव ने भरोसा दिलाया कि श्री रामगोविंद चौधरी का संघर्ष खाली नहीं जाएगा।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव, नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद श्री जासमीर अंसारी समेत बड़ी संख्या में नेताओं, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय जनता ने स्व रामगोविंद चौधरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

बलिया के बाद श्री अखिलेश यादव ने देवरिया जिले के थाना लार के ग्राम रक्सा पहुंचकर पूर्व विधायक एवं देवरिया के पूर्व जिलाध्यक्ष स्व सुरेश यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों से मिलकर शोक संवेदना प्रकट की।

इससे पहले लखनऊ में 26 सितंबर को रामगोविंद जी के निधन की खबर मिलते ही श्री अखिलेश यादव ने रामगोविंद जी के राजधानी लखनऊ स्थित निशातगंज आवास पर पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मीडिया से बातचीत में सपा मुखिया ने कहा कि श्री रामगोविंद चौधरी सड़क से सदन तक अपनी बात को बहुत प्रभावी ढंग से रखते थे। बाद में श्री अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि अब हमारे बीच महान समाजवादी प्रकाश-स्तंभ

श्री रामगोविंद चौधरी जी नहीं रहे, जिन्होंने महान स्वतंत्रता सेनानी व समाजवादी मार्गदर्शक जय प्रकाश नारायण जी और भूतपूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की अगुवाई में समाजवादी मूल्यों, सिद्धांतों और लक्ष्यों की मशाल सदैव प्रज्ज्वलित रखी।

बलिया की क्रांतिकारी धरती से उठकर छात्र राजनीति के कठिन मार्ग से होते हुए विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तक उनकी आवाज और अकाट्य तर्कों का सदैव सम्मान हुआ। सामाजिक न्याय के पुरोधा के रूप में वह जीवन भर संघर्षरत रहे।

जब वो बोलते थे तो सदन उन्हें बड़ी शांति और शिद्दत के साथ सुनता था और उनके खर-प्रखर वाचन और सत्यनिष्ठता से सीख-सबक भी लेता था। उनकी जमीनी पकड़ और जनता से गहरे जुड़ाव के कारण वह स्वयं में सौहार्दपूर्ण सकारात्मक सामाजिक राजनीति की एक सक्रिय पाठशाला की तरह रहे।

एक सशक्त समाजवादी नेतृत्व के रूप में सपा में उनकी भूमिका सदैव एक दिग्दर्शक के रूप में रही। नेताजी और उनका साथ समाजवादी संकल्पों की पूर्ति के संघर्षों में सदैव एकजुट रहा।

अब हम सबकी जिम्मेदारी है कि अपने उन 'बड़ों के लक्ष्यों' की पूर्ति में संपूर्ण समर्पण और संकल्प के साथ एकजुट होकर आगे बढ़ें, जो अब हमारे बीच सैद्धांतिक प्रेरणा मात्र ही विद्यमान हैं।









याद किए गए मान्यवर कांशीराम

बुलेटिन ब्यूरो

सामाजिक न्याय और दलित-शोषित समाज के लिए संघर्षशील रहे मान्यवर कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर 9 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी ने मान्यवर कांशीराम जी के चित्र पर माल्यार्पण किया।

मान्यवर कांशीराम को सांसद श्री आरके चौधरी, नेता विपक्ष विधान परिषद जासमीर अंसारी, समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो बी. पाण्डेय, पूर्व एमएलसी शशांक यादव, श्री मणेन्द्र मिश्र राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिक्षक सभा, श्री धनीलाल श्रमिक प्रदेश अध्यक्ष मजदूर सभा, श्री रामगोपाल पुरी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मजदूर सभा, गोमती यादव पूर्व विधायक, अंब्रीश पुष्कर, श्री सीएल वर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष, विजय सिंह यादव सहित सर्वश्री नरेन्द्र सिंह, बृजेश पाण्डेय, डीपी यादव, प्रदीप कुशवाहा, कुंवर अनुराग, नवीन धवन बंटी, देवेन्द्र सिंह जीतू उपनेता नगर निगम सपा दल, ऊषा सेन, ब्लाक प्रमुख अर्चना रावत, राधेश्याम सिंह अमरजीत सिंह, कुंवर प्रताप सिंह, एसके राय ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

गांधी व शास्त्री के रास्ते पर चलकर ही देश मजबूत होगा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ समेत सभी जिला एवं महानगर कार्यालयों पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती 2 अक्तूबर को सादगी एवं गरिमापूर्ण ढंग से मनाई गई।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने श्रद्धापूर्वक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सत्य एवं अहिंसा के रास्ते पर चलकर आजादी के आंदोलन को तेज किया। आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों के विरोधी सत्ता में हैं। ये नकारात्मक और दरारवादी सोच



के लोग नाथूराम गोडसे को मानते हैं। इन ताकतों को हरा कर सत्ता से हटाना है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि गांधी व शास्त्री के रास्ते पर चलकर ही देश मजबूत होगा। जो लोग गांधी जी से नफरत करते थे वे आज भी उनके विचारों से नफरत करते हैं। आज लोकतंत्र और संविधान पर हमले हो रहे हैं। 2027 का विधानसभा चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने का चुनाव है। समाजवादी पार्टी भाजपा को सत्ता से हटाएगी।



वंचितों की आवाज थे बाबू शिवदयाल चौरसिया

बुलेटिन ब्यूरो

पिछड़ों, वंचितों के हक के लिए संघर्षरत रहे बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया की पुण्यतिथि 18 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में समाजवादी पार्टी के जिला/महानगर कार्यालयों में मनाई गई।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से राज्य मुख्यालय पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी ने स्वर्गीय चौरसिया के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।

बाबू शिव दयाल सिंह चौरसिया ने साइमन कमीशन के समक्ष पिछड़ा वर्ग की रिपोर्ट प्रस्तुत की थी और आजादी के बाद काका कालेलकर आयोग के सदस्य के रूप में भी सेवाएं दी थीं।

समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय एवं महानगर कार्यालय पर भी स्व चौरसिया जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर पुण्यतिथि मनाई गई।



साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav

@yadavakhilesh

Socialist Leader of India | President @samajwadiparty | Member of Parliament, Kannauj | Former Chief Minister, Uttar Pradesh

Lucknow, India · samajwadiparty.in · Joined July 2009 >

Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 5d

हर गाँव-शहर और जंगल-खेत
अब भाजपा के ख़िलाफ़ हैं एक



Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 4d

लखनऊ के नदवा कॉलेज के प्रिंसिपल, हरदिल अज़ीज़ मौलाना सईद-उर-रहमान आज़मी साहब की हम सबके बीच से हमेशा के लिए रुख़सती की ख़बर बेहद ग़मगीन करने वाली है। ऐसा लग रहा है जैसे हमारे अपनेपन के अंजुमन से एक इंसाफ़-पसंद, बेहद नेक इंसान हमेशा के लिए कहीं चला गया हो।

ख़िराज-ए-अक़ीदत!



Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 4d

काशी बन न पाया क्योटो और न गोरखपुर स्पेन
पर 'लखनऊ' वेनिस बना, छिना सब सुख-चैन!

स्मार्ट सिटी के भ्रष्टाचार के पैसे की अनगिनत बोरियों से सारे नाले-सीवर जाम हो गए हैं, क्योंकि भाजपाई सुरंगजीवी वहीं निवास करते हैं।

तैरिए कि आप लखनऊ में हैं!



Akhilesh Yadav @yadavakhilesh — Message

Show translation

सशस्त्र बल जिन बेहद ख़तरनाक हथियारों से लैस करके जंतर-मंतर पर भेजे गये, उसे देखकर तो लगता है कि अब केवल टैंक आना बाक़ी है।

सत्ता जितनी डरी होती है, उसकी बंदूक उतनी बड़ी होती है।



Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 2d

अयोध्या में उमड़े जनसैलाब के बीच आई हुई प्रेस-मीडिया को अधिक समय न दे पाने का खेद है।

अयोध्या के कार्यक्रम में आए सभी पत्रकारों का हार्दिक अभिनंदन और धन्यवाद!

अब तो अयोध्या आते रहेंगे...



Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 3d

'जाँच' निकलेगी तो फिर दूर तलक जाएगी...

ध्यान से देखा जाए तो भाजपा सरकार आने के बाद, नर्सिंग भर्ती में ये कोई पहला संदिग्ध मामला नहीं है। इसके पहले भी 500 क्या 700 तक, उन कोचिंग संस्थानों के अभ्यर्थियों को नौकरी मिली है जिनके अवैध तार 'अंडरग्राउंड-अनरजिस्टर्ड' लोगों से सीधे जुड़े Show more


केजीएमयू नर्सिंग भर्ती : 1276 पदों में 500 से ज्यादा जयपुर के एक कोचिंग से चयनित

Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 2d

ये हैं 'पीडीए-योद्धा' सबके मददगार
राहत लेकर पहुंचे रहे हैं घर-छत-द्वार

इस जाँबाज़ को हम कहेंगे 'शाबाश'!

#लखनऊ_उत्तर_पीडीए



Akhilesh Yadav @yadavak... · 20h

दिल्ली पहुँचने का ख़्वाब पालनेवाले, अब तो लखनऊ से भी जा रहे हैं लेकिन चलाचली की इस बेला में उनकी 'वनस्पति' के सेवन के साधन दिल्ली पुलिस की वैन में मिल रहे हैं। जनता कह रही है कि ये सब इंतज़ाम किसी ख़ास बात की ओर इशारा कर रहा है क्या?

शराब से बचने की सलाह देनेवाले, ये क्यों नहीं कहते हैं कि 'नशे' से दूर रहो।

विशेष: ये 'गांजागंज' की शूटिंग नहीं चल रही है, रियल वीडियो है, AI Generated भी नहीं है।





Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

मित्राचार भेंट!

उप्र की आंवला लोकसभा सीट से दो बार के सांसद श्री धर्मेंद्र कश्यप जी से मिलकर 'पीडीए आंदोलन' को और भी समर्थ, सशक्त और सक्रिय बनाने के लिए संयुक्त प्रयासों पर चर्चा हुई।

पीडीए ही हर 'पीड़ित, दुखी, अपमानित' को मान-सम्मान और स्थान दे सकता है।



Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Message

Show translation

अब हमारी निगाह तीन पर नहीं, चार सौ तीन पर है।

Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 5d

जो देश की ख़ातिर हैं लड़ते
वो गिरफ़्तारी से नहीं हैं डरते

BJP ही CEC है।

देश का एकमत, CEC दे त्यागपत्र!

'ONE NATION, ONE ELECTION' की थोथी बात करनेवालों का असली मंसूबा और 'चंडीगढ़ी चाल' ये है कि एक बार में ही चुनाव कराकर सब निपटा दो, बार-बार घपला करने की ज़रूरत ही न पड़े। घपला-घोटाला जितनी कम बार होगा, पकड़े जाने की आशंका भी उतनी ही कम होगी।

दरअसल ONE NATION, ONE ELECTION की जगह, इन भाजपाइयों को कहना चाहिए **'ONCE CORRUPTION, ONCE ELECTION'.**

मतलब अब केवल एक और बार ही चुनाव करवाने की साज़िश है, फिर कभी चुनाव होगा ही नहीं।



Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

आजकल वो ही 'रखवाले' हैं
जिनकी सोच पर लगे ताले हैं

जिन जय प्रकाश नारायण जी ने स्वतंत्रता का आंदोलन लड़ा, आज भाजपा राज में वो ही क़ैद से कर दिये गये हैं।

दुनिया में किसी भी दुर्दांत तानाशाह तक ने शायद कभी किसी महापुरुष की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने पर, इस तरह की पाबंदी नहीं लगाई होगी।

भाजपाई तो अंग्रेजों से भी गये गुजरे हैं।



Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 5d

जैसे सत्ताधारी, वैसे अधिकारी!

नैतिकता की सीमा लांघकर, निजता का अतिक्रमण करनेवाली उप्र सरकार की पुलिस का ये 'अपशब्द वचनीय मौखिक शारीरिक व्यवहार' किससे प्रेरित है, ये सब जानते हैं। अब पुलिस का ये ही कहना बाक़ी है कि 'हम किसी नियम-क़ानून को मानने के मूड में नहीं है।



Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Message

Show translation

क्योंकि जब से भर गया पानी तब से बहुत हुई है 'बदनामी'
इसीलिए ज़िम्मेदारी थी किसी और के 'नाम' में खिसकानी
नहीं तो करोड़ों अपने नाम पर खर्च करनेवाले नहीं है 'दानी'
किसे पता 'लखनऊ-दिल्ली' की जंग इस हद तक थी आनी

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 1d

किसीके रोके नहीं रुकेगा
अब दिल्ली में देश जुटेगा!

हम देश की युवा ऊर्जा के साथ हैं। भाजपा सरकार अगर समझ रही है कि वो ताक़त के बल पर जनता को रोक लेगी तो ये उसकी और भी बड़ी भूल साबित होगी। 'जंतर-मंतर' अब एक जगह का नाम नहीं, एक नई चेतना और जागरण का प्रतीक बन गया है। अगर सरकार ने आंदोलनकारियों को रोका तो देश में हर जगह जंतर-मंतर बन जाएगा।

माना बादशाहों का बंदोबस्त है बख़्तरबंद
पर उन्होंने देखा न नौजवानों का दमख़म
यहाँ हौसलों की भी तैयारी है चाकचौबंद
हैं साथ सब, मानकर इसको अंतिम जंग

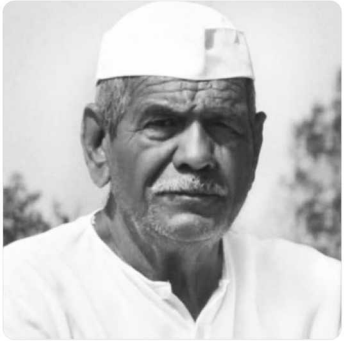
Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 7h

जब विपक्ष का पड़ा भारी दबाव
रातों रात हो गया बंदोबस्त साफ़
ये है लुढ़कना लोटा-सी सरकार
कभी इस घाट तो कभी उस घाट
जिसके गलत मंसूबे और ख़्याल
सोच संकीर्ण और कुंठित विचार
नकारात्मकता भरी है ये सरकार
जिसकी पहचान एकरंगी लिबास



Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 5d

महान किसान नेता 'बाबा' चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत जी की जयंती पर शत शत नमन।



पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 48 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

तोड़ने वाले बनाने वाले

बनाने में कुछ जाता है नष्ट करने में नहीं,
बनाने में मेहनत लगती है,
बुद्धि लगती है, वक़्त लगता है
तोड़ने में बस थोड़ी-सी ताक़त
और थोड़े-से मंसूबे लगते हैं।
इसके बावजूद बनाने वाले तोड़ने वालों पर भारी पड़ते हैं

वे बनाते हुए जितना हाँफते नहीं,
उससे कहीं ज़्यादा तोड़ने वाले हाँफते हैं
कभी किसी बनाने वाले के चेहरे पर थकान नहीं दिखती,
पसीना दिखता है—लेकिन मुस्कुराता हुआ,
खरोंच दिखती है, लेकिन वह बदन को सुंदर बनाती है।
कभी किसी तोड़ने वाले का चेहरा आपने ध्यान से देखा है?

वह एक हाँफता, पसीने से तर-ब-तर बदहवास चेहरा होता है
जिसमें सारी दुनिया से जितनी नफ़रत भरी होती है,
उससे कहीं ज़्यादा अपने आपसे।
असल में तोड़ने वालों को पता नहीं चलता कि
वे सबसे पहले अपने-आपको तोड़ते हैं
जबकि बनाने वाले कुछ बनाने से पहले अपने-आपको बनाते हैं।
दरअसल, यही वजह है कि बनाने का मुश्किल काम चलता रहता है

तोड़ने का आसान काम दम तोड़ देता है।
तोड़ने वालों ने बहुत सारी मूर्तियाँ तोड़ीं,
जलाने वालों ने बहुत सारी किताबें जलाईं
लेकिन बुद्ध फिर भी बचे रहे,
ईसा का सलीब बचा रहा,
कालिदास और होमर बचे रहे।

अगर तोड़ दी गई चीज़ों की सूची बनाएँ तो बहुत लंबी निकलती है
दिल से आह निकलती है कि कितनी सारी चीज़ें ख़त्म होती चली गईं
कितने सारे पुस्तकालय जल गए,
कितनी सारी इमारतें ध्वस्त हो गईं,
कितनी सारी सभ्यताएँ नष्ट कर दी गईं,
कितने सारे मूल्य विस्मृत हो गए
लेकिन इस हताशा से बड़ी है यह सच्चाई
कि फिर भी चीज़ें बची रहीं,
बनाने वालों के हाथ लगातार रचते रहे कहीं न कहीं नई इमारतें,
नई सभ्यताएँ, नए बुत, नए सलीब, नई कविताएँ

और दुनिया में टूटी हुई चीज़ों को फिर से बनाने का सिलसिला
ये दुनिया जैसी भी हो, इसमें जितने भी तोड़ने वाले हों,
इसे बनाने वाले बार-बार बनाते रहेंगे और बार-बार बताते रहेंगे

कि तोड़ना चाहे जितना भी आसान हो,
फिर भी बनाने की कोशिश के आगे हार जाता है।

प्रियदर्शन
(साभार: हिन्दवी)



समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in
QR कोड स्कैन करें और
वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party